पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.)/084/2012-14 प्रकाशित: 1.7.2013 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

।। ओ३म् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दिल्ली चलो आर्य युवको
केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का
35वां राष्ट्रीय अधिवेशन
रविवार, 1 सितम्बर 2013
प्रात: 10 से सायं 5 बजे तक
योग निकेतन सभागार,
पश्चिमी पंजाबी बाग, दिल्ली-26.
-डा.अनिल आर्य

वर्ष-30 अंक-03 आषाढ़-2070 दयानन्दाब्द 190 1 जुलाई से 15 जुलाई 2013 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 1.7.2013, E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

जम्मू कश्मीर की वादियां आर्य युवकों के वन्देमातरम से गूंज उठी

शिविरों से संस्कारित, सुसंस्कृत युवा ही राष्ट्र का भविष्य –डा.अनिल आर्य

उत्तराखंड में दिवंगत हुए श्रद्धालुओं व सैनिकों के लिए शान्ति यज्ञ व प्रार्थना हुई

जम्मू । सोमवार, 24 जून 2013, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जम्मू कश्मीर के तत्वावधान में ''युवक चरित्र निर्माण शिविर'' का आयोजन आर्य समाज, जानीपुर कालोनी,जम्मू में किया गया । शिविर में 60 युवक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। पिछले 25 वर्षो में पहली बार जम्मू कश्मीर में युवक शिविर लग रहा है। समारोह के मुख्य अतिथि डा.अनिल आर्य ने कहा कि संस्कारित युवा ही राष्ट्र का उज्जवल भविष्य हैं, आंतकवाद प्रभावित क्षेत्रों में इन शिविरों का विशेष महत्व है।

ध्वजारोहण पार्षद श्री रविन्द्र गुप्ता व श्री सुरेन्द्र शर्मा 'बजरंगी' ने किया। आचार्य सतीश सत्यम के मधुर भजन हुए। प्रान्तीय अध्यक्ष श्री सुभाष बब्बर, मंत्री श्री रमेश खजुरिया, मुकेश मैनी के अथक पुरूषार्थ से शिविर लग सका। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, जम्मू कश्मीर के प्रांतीय महामन्त्री श्री अरूण आर्य ने कुशल मंच संचालन किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में उत्तराखण्ड में प्राकृतिक आपदा में दिवंगतों व जवानों की आत्मा की शान्ति के लिए आचार्य सुबोध शास्त्री जी ने यज्ञ करवाया व प्रार्थना करवायी। समापन समारोह पर श्री महेन्द्र भाई व श्री रामकुमार सिंह पहुंचे व भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

राजस्थान प्रान्तीय आर्य युवक शिविर बहरोड़ में 250 युवक प्रशिक्षित

युवा पीढ़ी को राष्ट्र भक्त बनाने का अभियान पूरे देश में तीव्र गति से चलायेंगे–**महेन्द्र भाई**

बहरोड़। रविवार, 9 जून 2013, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् राजस्थान के तत्वावधान में ''विशाल युवक चरित्र निर्माण शिविर'' का आयोजन बहरोड़, अलवर के डी.वी.एम. पब्लिक स्कूल में किया गया। शिविर में 250 युवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई ने कहा कि हम युवा पीढ़ी को राष्ट्र भक्त बनाने का अभियान पूरे देश में चलायेगे तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यशोवीर आर्य ने भी अपनी शुभकामनायें प्रदान की। कुशल संचालन प्रान्तीय अध्यक्ष श्री रामकृष्ण शास्त्री ने किया। स्वामी सुधानन्द योगी, स्वामी सुखानन्द जी, डा.कुलवन्त विद्यावाचस्पति, श्री धर्मवीर, श्री विरजानन्द, स्वामी धर्मवेश, स्वामी आदित्यनाथ, आ.सत्यप्रिय, आ.अभयदेव, नीलम राठी, मा.हरिसिंह, रामौतोर, विश्वपाल, राजेन्द्र, राजेश आदि ने पधार कर अपना सन्देश दिया व भव्य शोभायात्रा का भी आयोजन किया गया।

भारत की समस्या नई दिल्ली है, चीन नहीं

चीन LAC पर राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए और भारत Observation Post भी न बनाये

घर में बैठकर इतिहास नहीं रचा जाता, चीन का जवाब उसी की नीति से देना होगा

1962 के परिणामों से हम सब वाकिफ हैं। हमारी और चीन की सीमाएं तीन सेक्टरों में बांटी जा सकती है– पूर्वी सेक्टर में अरूणांचल प्रदेश, मध्य सेक्टर में उत्तराखण्ड और हिमाचल, और पश्चिमी सेक्टर में सिक्किम और लद्दाख। कुल मिलाकर हमारी चीन के साथ सीमा की लम्बाई करीब चार हजार किलोमीटर है। वर्तमान में तो चीन ने सीमा की इस लम्बाई को करीब दो हजार किलोमीटर ही माना है। चीन का कहना है कि पश्चिमी सेक्टर में लद्दाख के साथ लगने वाली सीमा तो हमारे मित्र देश पाकिस्तान के जम्मू और कश्मीर की है। इस विषय पर किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले हम दो भागों में विश्लेषण करेंगे, पहला, चीन की मंशा और दूसरा, हमें क्या करना चाहिए।

1. चीन की मंशा – चीन और भारत के बीच में Line of Actual Control (वास्तविक सीमा रेखा) है। हम दिल्ली में ताकतवर हैं परन्तु जैसे जैसे हम दिल्ली से दूर होते जाते हैं हमारी ताकत कम होती जाती है। जिस बिन्दु पर यह ताकत शून्य हो जाती है उसे ही हम अपनी सीमा कहेंगे और यह वही बिन्दु होता है जहां करीब करीब दूसरे मुल्क की ताकत भी क्षीण हो जाती है। चूंकि यह वास्तविक सीमा रेखा है इसलिए इसमें कुछ बदलाव सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों की आक्रमक क्षमता के कारण भी होता रहता है। इसे ही हम Line of Actual Control कहते हैं। इसकी अवहेलना चीन के द्वारा ही क्यों?

यह कहानी प्रारम्भ होती है सन् 1986 से जब चीन ने अरूणांचल के सूमद्रोम चू इलाके में एक टेन्ट गाड़ा था। उस समय चीन की मंशा भारत की ताकत को भांपने की थी। चीन यह देखना चाहता था कि प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के बाद भी क्या भारत आक्रमक मोड़ में है?

9 सालों तक चीन का वो टेन्ट गड़ा रहा और 1995 में उन्होंने स्वयं ही उसे बन्द कर दिया और वापस चले गये। उस समय चीन महाशक्ति नहीं बना था। अब बन गया है। 15 अप्रैल 2013 को चीन के कुछ सैनिक लद्दाख के दौलत बैग ओलडी में घुसे, फिर कुछ छोटे वाहन आये, फिर बड़े वाहन, फिर टेन्ट लगाया गया और फिर हेलीकॉप्टर आये। सैनिकों के पास लाइट मशीन गन भी थी। यह करने से पहले चीन ने सोंची समझी नीति के तहत चार कदम उठाये थे–

- ❑ 2006 मे चीन के राजदूत ने पूरे अरूणांचल को अपना बताया था और इसका नाम रखा था जैंग नैन।
- ❑ 2009 में चीन ने कश्मीरियों को स्टपेल्ड वीजा देना शुरू किया था और उत्तरी कमाण्ड के आर्मी कमाण्डर ल. जनरल जसवाल को वीजा देने से मना कर दिया था।
- ❑ 2010 में चीन ने घोषणा कर दी थी कि हमारी भारत के साथ पश्चिमी सेक्टर में कोई सीमा नहीं है। इसलिए कश्मीरियों को चीन आने के लिए वीजा की आवश्यकता नहीं है।
- ❑ 2011 में चीन ने पीपल लिब्रेषन आर्मी आफ चाईना के करीब 400 सैनिक पाकिस्तान ओक्यूपाइड कश्मीर (POK) में तैनात कर दिये थे।
- ❑ 2013 में चीन ने लद्दाख के दौलतबैग ओल्डी में पांच अस्थाई पोस्ट कायम की और बीस दिन बाद अपनी शर्तो पर वापस लौट गया।

उपरोक्त से स्पष्ट हो जाता है कि चीन की मंशा सोंची समझी नीति के तहत भारत के सीमावर्ती क्षेत्र पर पूर्वी सैक्टर से लेकर पश्चिमी सेक्टर तक कब्जा करने की है।

2. भारत को क्या करना चाहिए–2007 में माननीय रक्षा मंत्री श्री ए.के. एन्टोनी जी जब सिक्किम के नाथुला बार्डर पोस्ट पर गये तो उन्होंने कहा आज मेरी आंखे खुल गईं क्योंकि उन्हें बार्डर तक आती हुई चीन की मेटल रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग दिखाई दिये। इसका निष्कर्ष यह था कि PLA बहुत कम समय में पूरी तैयारी के साथ लड़ाई लड़ सकता है। उसे सीमा तक रसद पहुंचाने में समय नहीं लगेगा। भारतीय सेनाओं को सीमा तक पहुंचने के लिए कई कई दिन और कई कई मील का सफर पैदल और खच्चरों पर करना पड़ता है। तब से अब तक 6 वर्ष गुजर गये हैं परन्तु भारतीय सीमा की स्थिति करीब करीब जस की तस है। 73 स्ट्रेटिजिक (Strategic) सड़कों में से 17 ही बन पाई हैं। जो 2012 तक पूरी होनी थी। 413 दूसरी प्रकार की सड़के, 14 रेलवे लाईन के लिंक अब तक अटके पड़े हैं। जबकि चीन ने व्यापक रेल नेटवर्क और 58 हजार किलोमीटर लम्बी सीमावर्ती सड़कों का निर्माण कर लिया है। भारतीय सेना ने चीन के साथ लगने वाली सीमा पर रोड और रेलवे लाईन लिंक को गति प्रदान करने के लिए पर्यावरण विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र मांगा तो वही मामला अटक गया। हलांकि 2020 तक 26 हजार करोड़ और 2016 तक 9 हजार करोड रूपये के काम सीमावर्ती क्षेत्र में प्रस्तावित हैं।

लद्दाख के साथ चीन की लगने वाली सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी 2010 तक भारतीय सेना के पास थी। इस जिम्मेदारी को ITBP (Indian Tibbetan Border Police) को क्यों सौंप दिया गया? आईटीबीपी मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स के अन्तर्गत आती है। भारतीय सेना का प्रस्ताव है कि आईटीबीपी का Operational Control उसके आधीन कर दिया जाय। भारतीय सेना मिनिस्ट्री ऑफ डिफेन्स के अन्तर्गत आती है। विश्वसनीयता और संवेदनशीलता में संतुलन बनाये रखना बहुत आवश्यक है। यदि भारत सीमावर्ती इलाके में किसी तरह का कोई निर्माण करता है तो चीन की तरफ से सख्त अनापत्ति दर्ज करा दी जाती हैं। आज भी चीन यह कह रहा है कि हम दौलतबैगओल्डी में इसलिए आये हैं क्योंकि भारत ने पूर्वी और पश्चिमी सीमा में ग्राउण्ड बंकरो का निर्माण किया है।

सम्भवतः, विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, चीन अब मई 2013 में वापस अपनी शर्तों पर लौटा है। पहली तो यह कि चुमार में बनी विस्तृत Observation Post को तुरन्त ध्वस्त किया जाए और सीमावर्ती क्षेत्र में नये निर्माण न किये जायें। चीन ने इस Observation Post पर लगे सर्विलेंस कैमरों के तार भी काटे हैं। चीन की दूसरी शर्म यह भी है कि Daulat Beg Oldi, Fukche and Nyoma में बने Advance Landing Ground को Reactivate न किया जाए। हमारा मानना है कि कोई ऐसी समस्या नहीं है जिसका समाधान न हो। यदि हम पहले चरण में भारत चीन सीमा तक सड़के बना लें और फिर और बाद में रेल लिंक। और सड़के बनाने में भी प्रथम चरण में हम सड़कों को केवल WBM (Water Bound Macadam) तक बनाये जिसमें अधिक समय लगता है और जो गूगल मैपिंग में स्पष्ट दिखाई नहीं देता है। बाद में Bituminous Carpeting का कार्य पूरे क्षेत्र में एक साथ किया जाए जो दो तीन दिन में पूरा किया जा सकता है। जब तक चीन की तरफ से आपत्ति आयेगी तब तक काम हो चुका होगा।

सन् 2008 में सिक्किम के फिंगर एरिया में भारत और चीन की बटालियन आपने सामने आ गई थी। फिंगर चिप से एक महत्वपूर्ण बैली दिखाई देती है जिसका नाम है "Sora Funnel". यह क्षेत्र भारत के पास रहा है परन्तु चाईना ने वाटर शेड सिद्धान्त के ऊपर इस क्षेत्र पर अपना कब्जा जताया परन्तु भारत अड़ा रहा और अन्ततोगत्वा वो पीछे चले गये। इससे यह साबित होता है कि भारत यदि मेज पर मुट्ठी मारकर बात रखे तो चीन मान सकता है क्योंकि वर्तमान युग की लड़ाई बन्दूक से नहीं बल्कि डालर से होती है और इच्छा शक्ति ये होती है। यहां यह भी बताते चलें कि भारत की कमजोर राजनैतिक इच्छा शक्ति के कारण आज माल्डीब में हमारे यहां व्यंग कसे जाते हैं। श्रीलंका हमारा दुश्मन बन गया है। बंगला देष को हम पर सन्देह है, नेपाल अपने कंधे चढ़ा लेता है, पाकिस्तान हम पर हंसता है, सिपाही का सर काट लेता है और सरबजीत की हत्या की देता है, और चीन हम पर फफती कसता है। सरकार घुटनों पर आ चुकी है। क्या अब सलमान खुर्षीद के घर में चाईना के टेन्ट के गड़ने का इन्तजार है?

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए भारत को निम्नलिखित कार्यवाही करनी चाहिए–

1. सीमावर्ती क्षेत्र फौज के हवाले करें। आईटीबीपी को फौज के आधीन करें।
2. सीमावर्ती क्षेत्र में पहले सड़क और फिर रेल लिंक का निर्माण करें। सड़क में भी पहले WBM तक करके छोड़ दे और फिर कारपेटिंग एक साथ करें। तक करके छोड़ दे और फिर कारपेटिंग एक साथ करें।
3. ब्रह्मपुत्र नदी में पानी के बहाव को नियमित करने वाले बांधो को चीन द्वारा निर्माण पर सख्त ऐतराज जताये।
4. पाकिस्तान द्वारा चीन को संचालन के लिए दिये गये बन्दरगाह के खिलाफ प्रश्न उठायें।
5. आर्थिक स्तर पर चीन का मुकाबला करने के लिए स्वदेश में निर्मित उत्पादों पर टैक्स कम करें और स्वदेशी वस्तुओं का ही इस्तेमाल करें।
6. जापान एवं वियतनाम जैसे देशों को विश्वास में लेकर चीन की महत्वाकांक्षाओं के प्रतिद्वन्दी बनें।

हिन्दुस्तान के सिपाही की ताकत और शौर्य को चीन से कम न समझा जाय क्योंकि हमारा सिपाही न केवल सीमा की सुरक्षा करता है, न केवल यूनाइटेड नेशन के Peace Keeping Force में भाग लेता है बल्कि प्राकृतिक या कृत्रिम आपदा आने पर स्थिति को नियंत्रण में भी करता है। लिहाजा इस बात से डरने की आवश्यकता नहीं है कि चीन की आर्थिक या सैनिक स्थिति हमसे कहीं अधिक ज्यादा मजबूत है। आखिर में बन्दूक के ट्रिगर के पीछे एक उंगली होती है और उस उंगली को हुक्म केवल स्वाभिमानी देशभक्त ही दे सकता है। अब तक हम सीमा पर Observation Post लगाकर चौकसी कर रहे थे, अब हमें पहले सड़कों और रेल लाईन का नेटवर्क तैयार करना है। अत्यन्त आश्चर्य होता है जब सरकार में बैठे वरिष्ठ लोग ये कहते हैं कि हम चीन से लगने वाले सीमावर्ती इलाके में सड़कों और रेलवे लिंक का जाल इसलिए नहीं बिछा रहे हैं कि कहीं कल को इसका इस्तेमाल चीन न कर ले। इससे अधिक डरपोक सोंच नहीं हो सकती। घर में बैठकर सोंचा तो जा सकता है परन्तु इतिहास नहीं रचा जा सकता। जिस लड़ाई को लड़ने से पहले दिल में डर व्याप्त हो जाय उसमें हार निश्चित है। – कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी, गाजियाबाद

अन्तरंग सभा का अधिवेशन 25 अगस्त को

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व अन्तरंग सभा की वार्षिक बैठक रविवार, 25 अगस्त 2013 को सायं 3 बजे आर्य समाज, कबीर बस्ती, दिल्ली–110007 में होगी। सभी सभासद समय पर पंहुचे।

–महेन्द्र भाई, महामंत्री

ऐमिटी आर्य युवक शिविर नोएडा की सचित्र झलकियां

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के व्यायाम शिक्षक राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य, सांसद श्री तरूण विजय, श्री मायाप्रकाश त्यागी, दर्शन अग्निहोत्री, श्री सीतारमण, महेन्द्र भाई, गायत्री मीना, सन्तोष शास्त्री के साथ।

समापन समारोह का अवलोकन करते डा.अशोक कुमार चौहान,सांसद तरूण विजय, डा.अनिल आर्य व यशोवीर आर्य तथा सामने आर्य युवक कराटे का प्रदर्शन करते हुए ।

हापुड़ आर्य कन्या शिविर में बालिकायें स्तूप बनाते हुये व सामने उपस्थित दर्शक आर्य जन

युनाईटेड हिन्दू फ्रन्ट हिन्दू अधिकारों के लिए संघर्ष करेगा

रविवार, 30 जून 2013, युनाईटेड हिन्दू फ्रन्ट के तत्वावधान में हिन्दू अधिकारों की रक्षा के लिए सनातन धर्म मन्दिर, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में हिन्दू रक्षा सम्मेलन का आयोजन श्री जयभगवान गोयल की अध्यक्षता में किया गया, इस अवसर पर डा.अनिल आर्य, स्वामी जयराम भारती, श्री सन्दीप आहूजा, स्वामी ओम जी, श्री देवेन्द्र सिंह, श्री चन्द्रप्रकाश कौशिक, श्री बी.डी.अग्रवाल, श्री सुरेन्द्र मोहन गुप्ता आदि ने सम्बोधित किया, कुशल मंच संचालन श्री रजनीश गोयनका ने किया। श्री अनिल हाण्डा, प्रकाशवीर शास्त्री, प्रवीन आर्या, सुभाष आर्य, विजय सब्रवाल आदि उपस्थित थे ।

जम्मू में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के शिविर का भव्य उद्घाटन

ध्वजारोहण करते पार्षद श्री रविन्द्र गुप्ता, सुरेन्द्र शर्मा साथ में रमेश खजुरिया, अनिल आर्य, सतीश सत्यम, प्रांतीय महामन्त्री अरूण आर्य, द्वितीय चित्र में श्री कुलदीप लूथरा का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य व प्रान्तीय अध्यक्ष सुभाष बब्बर।

करनाल युवक शिविर शानदार सफलता के साथ सम्पन्न

शिविर उद्घाटन पर मंच पर डा. अनिल आर्य के साथ आर्य केन्द्रीय सभा करनाल के प्रधान श्री सत्येन्द्रमोहन कुमार, श्री के.एल.गुप्ता व द्वितीय चित्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत करते श्री सत्येन्द्रमोहन कुमार, श्री स्वतन्त्र कुकरेजा, श्री हरेन्द्र चौधरी, श्री ओमप्रकाश सचदेवा, श्री सूरज गुलाटी, श्री रामकुमार सिंह, श्री मनोहरलाल चावला, रजनीश चोपड़ा व चौ.लाजपतराय आर्य आदि।

पार्षद श्री तिलकराम गुप्ता व श्री राकेश भार्गव का अभिनन्दन

केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश के आर्य कन्या शिविर, आर्य समाज,सन्देश विहार,दिल्ली में पार्षद श्री तिलकराम गुप्ता का स्वागत करते डा.अनिल आर्य, श्री शशिभूषण मल्होत्रा,श्री दर्शन अग्निहोत्री व दुर्गेश आर्य। द्वितीय चित्र में ऐस्कॉर्टस लि.,फरीदाबाद के प्रबन्धक श्री राकेश भार्गव का स्वागत करते श्री अजय चौहान (निदेशक ऐमिटी संस्थान), डा.अनिल आर्य,श्री मायाप्रकाश त्यागी व डा.योगानन्द शास्त्री जी

मन्दिरों को तोड़ने के विरूद्ध प्रदर्शन व लायन प्रमोद सपरा का अभिनन्दन

दिल्ली में प्रस्तावित 78 मन्दिरों को तोड़ने के विरूद्ध जन्तर मन्तर पर प्रदर्शन करते श्री चन्द्रप्रकाश कौशिक, श्री जयभगवान गोयल, श्री सन्दीप आहूजा व स्वामी ओम जी। द्वितीय चित्र में श्री प्रमोद सपरा (डा.अनिल आर्य के बड़े भाई) के लायनस क्लब के शिमला में हुए चुनाव में सैकेण्ड वाईस डिस्ट्रिक गर्वनर चुने जाने पर हार्दिक बधाई, साथ में श्री जगदीश गोयल व नरेन्द्र गोयल दिखाई दे रहे हैं ।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970